

अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानकों और धन-शोधन निवारक पर अक्सर पूछे जानेवाले प्रश्न

परिचय.

धन शोधन दुनिया भर में एक गंभीर समस्या बन गई है जो आतंकवादी और अपराधिक संगठनों को सक्रियता से सहयोग और बल प्रदान करते हुए अनेक क्षेत्रों की स्थिरता के लिए खतरा बन रही है. धन शोधन, सुनियोजित अपराध, नशीली दवाओं के व्यापार और आतंकवाद के बीच रहे संबंध विश्वभर में वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम खड़ा कर रहे हैं.

धन शोधन और आर्थिक आतंकवाद क्या है?

धन शोधन का अर्थ है अवैध रूप से अर्जित किए गए धन का रूपांतरण इस तरह से करना जैसे कि वह उचित मार्गों से कमाया हुआ लगे. हथियारों की तस्करी, आतंकवाद और फिरौती से संबंधित आपराधिक गतिविधि को ढँकने के लिए इस धन का उपयोग हो सकता है.

आर्थिक आतंकवाद का अर्थ है किसी भी स्वरूप के आतंकवाद को या उन्हें आर्थिक सहयोग देना जो आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं, योजना बनाते हैं या उसमें लिप्त हैं.

काले धन को वैध बनाने वाले वैध माध्यम के ज़रिए नाजायज़ धन राशि भेजते हैं ताकि उनका आपराधिक ज़रिया छिप सके. जब कि आर्थिक आतंकवाद के लिए आर्थिक सहायता करने वाले लोग जो धन का अंतरण करते हैं वह इस तरह से वैध या अनुचित हो सकता है कि उनका स्रोत और वास्तविक उपयोग छिपा रहे, जो कि आतंकवाद के लिए आर्थिक सहायता देता है.

अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) क्या है?

केवाईसी ग्राहक पहचान प्रक्रिया के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पद "अपने ग्राहक को जानिए" का संक्षिप्त रूप है. इसमें खातों की असली पहचान और लाभार्थी स्वामित्व की असली पहचान, धन का स्रोत, ग्राहक के व्यवसाय का स्वरूप, ग्राहक के व्यवसाय के संबंध में खाते के प्रचालन का औचित्य निर्धारित करने के लिए उचित प्रयास करना शामिल है, और इससे बैंकों को अपने जोखिम का प्रबंधन शुद्धता से करने में मदद मिलती है.

केवाईसी दिशानिर्देशों का उद्देश्य है धन शोधन के लिए आपराधिक तत्वों द्वारा बैंकों का चाहे या अनचाहे ढंग से उपयोग किए जाने की रोकथाम करना.

केवाईसी नीति क्या है?

आरबीआई के परिपत्रक दिनांक 29/11/2004 के माध्यम से जारी आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी बैंकों को उनके संबंधित बोर्डों की स्वीकृति के साथ केवाईसी नीति बनाने की आवश्यकता होती है. केवाईसी नीति में निम्नलिखित चार प्रमुख तत्वों का समावेश होता है.

- 1) ग्राहक स्वीकार्यता नीति
- 2) ग्राहक पहचान प्रक्रियाएँ
- 3) व्यवहारों की निगरानी करना
- 4) जोखिम का प्रबंधन



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया

केवाईसी मानकों और एंटी मनी लॉन्ड्रिंग पर अक्सर पूछे जानेवाले प्रश्न

ग्राहक कौन है?

केवाईसी नीति के प्रयोजन के लिए 'ग्राहक' की व्याख्या इस प्रकार की जा सकती है।

- कोई व्यक्ति या निकाय जो बैंक में खाता रखता है और/या जिसका बैंक के साथ व्यावसायिक रिश्ता है।
- कोई व्यक्ति जिसकी ओर से खाता संचालित किया जाता है (यानी लाभार्थी मालिक)
- प्रोफेशनल मध्यस्थों जैसे स्टॉक ब्रोकर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, सॉलिसिटर्स द्वारा कानून के तहत अनुमति के अनुसार संचालित व्यवहारों के लाभार्थी, और
- आर्थिक व्यवहार से जुड़ा कोई व्यक्ति या निकाय जो बैंक के लिए प्रतिष्ठा या अन्य प्रकार का उल्लेखनीय जोखिम खड़ा कर सकता हो, जैसे कि एकल व्यवहार के रूप में वायर ट्रांसफर या ऊँचे मूल्य का डिमांड ड्राफ्ट जारी करना।

ग्राहक स्वीकार्यता नीति क्या है?

ग्राहक स्वीकार्यता नीति का अर्थ है ग्राहकों को खाता खोलने की अनुमति देने के लिए बैंकों द्वारा अपना जानेवाले सामान्य दिशानिर्देश सामान्यतया दिशानिर्देश निर्धारित करते हैं कि कोई भी खाता बेनामी या नकली नाम से न खोला जाए या जब ग्राहक की पहचान किसी ज्ञात आपराधिक पृष्ठभूमि या प्रतिबंधित संस्थाओं से जुड़े व्यक्ति के साथ ग्राहक की पहचान मेल खाती हो तब खाता न खोला जाए। उसी प्रकार जब बैंक अपनी नीति के अनुसार पहचान और/या प्राप्त दस्तावेजों का सत्यापन करने में असमर्थ रहता है तब खाते नहीं खोले जाने चाहिए।

ग्राहक पहचान की प्रक्रिया क्या है?

ग्राहक पहचान का अर्थ है विश्वसनीय और स्वतंत्र दस्तावेजों, डाटा व जानकारी के ज़रिए ग्राहक को पहचानना और उसकी पहचान का सत्यापन करना। बैंकों को पात्र प्राधिकारियों को संतुष्ट करना चाहिए कि मौजूदा कानूनों और नियमों के आवश्यकता के अनुसार ज़रूरी मेहनत की गई थी।

किन खूबियों का सत्यापन किया जाना चाहिए तथा ग्राहकों से कौन से दस्तावेज प्राप्त करना आवश्यक होता है?

सत्यापित की जानेवाली खूबियाँ और प्राप्त किए जा सकने वाले दस्तावेज ग्राहकों के प्रकार के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। इन्हें नीचे दिया गया है:

खूबियाँ	दस्तावेज
1.0 व्यक्तियों के खाते 1.1 विविध नाम तथा प्रयुक्त कोई अन्य नाम 1.2 सही स्थायी पता	(i) पासपोर्ट (ii) पैनकार्ड (iii) मतदाता पहचान पत्र (iv) ड्राइविंग लाइसेंस (v) पहचान पत्र (बैंक की संतुष्टि के अधीन) (vi) मान्य जन प्राधिकारी या सार्वजनिक सेवा में रत व्यक्ति का पत्र जिसमें ग्राहक की पहचान और निवास को संतोषजनक रूप से सत्यापित किया गया हो। (i) फोन बिल (3 माह से अधिक पुराना नहीं) (ii) बैंक खाता ब्यॉर/पासबुक (iii) किसी मान्य जन प्राधिकारी से पत्र (iv) बिजली का बिल (3 माह से अधिक पुराना नहीं) (v) राशन कार्ड, (vi) नियोक्ता से पत्र की संतुष्टि के अधीन)



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया

केवाईसी मानकों और एंटी मनी लॉन्ड्रिंग पर अक्सर पूछे जानेवाले प्रश्न

खूबियाँ	दस्तावेज*
2.0 कंपनियों के खाते 2.1 कंपनी का नाम 2.2 व्यवसाय का मूल स्थान 2.3 कंपनी का डाक पता 2.4 फोन/फैक्स नंबर	(i) सर्टिफिकेट ऑफ इन्कॉर्पोरेशन तथा मेमोरेंडम व आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (ii) खाता खोलने के लिए निदेशक मंडल का प्रस्ताव और उनकी पहचान जिनके पास खाते का प्रचालन करने का अधिकार है (iii) उसकी ओर से व्यवसाय करने के लिए उसके प्रबंधकों, अधिकारियों या कर्मचारियों को दी गई पावर ऑफ अटॉर्नी (iv) पैन अलॉटमेंट पत्र की प्रति (v) निकाय के अस्तित्व के प्रमाण और पते प्रमाण को स्थापित करने वाला कोई आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जो बैंक को संतुष्ट कर सकें (vi) व्यवसाय के आरंभ का प्रमाणपत्र.
3.0 कंपनियों के खाते 3.1 कंपनी का नाम 3.2 व्यवसाय का मूल स्थान 3.3 कंपनी का डाक पता 3.4 फोन/फैक्स नंबर	(i) पंजीकरण प्रमाणपत्र यदि पंजीकृत है (ii) पार्टनरशिप डीड (iii) अपनी ओर से व्यवसाय करने के लिए फर्म के साझेदार या कर्मचारी को दिया गया पावर ऑफ अटॉर्नी, (iv) कोई आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जिसमें साझेदारों तथा पावर ऑफ अटॉर्नी रखने वाले व्यक्तियों की पहचान तथा उनके पते हों (v) फर्म के अस्तित्व का प्रमाण और पते का प्रमाण
4.0 कंपनियों के खाते 4.1 ट्रस्टियों, सेटलर्स, लाभार्थियों और हस्ताक्षरियों के नाम 4.2 संस्थापक, प्रबंधकों/निदेशकों और लाभार्थियों का नाम व पते 4.3 फोन/फैक्स नंबर	(i) पंजीकरण प्रमाणपत्र यदि पंजीकृत है (ii) उसकी ओर से व्यवसाय करने के लिए दी गई पावर ऑफ अटॉर्नी (iii) ट्रस्टियों, सेटलर्स, लाभार्थियों और पावर ऑफ अटॉर्नी धारकों, संस्थापकों/प्रबंधकों/निदेशकों की ओर उनके पतों की पहचान करने वाला कोई भी आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज (iv) फाउंडेशन/एसोसिएशन की मैनेजिंग बॉडी का प्रस्ताव (v) निकाय के अस्तित्व का प्रमाण और पते का प्रमाण स्थापित करने वाला कोई आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जो बैंक के लिए संतोषजनक हो.

*कृपया ध्यान दें कि यह कोई व्यापक सूची नहीं है बल्कि केवल सांकेतिक है. अधिक विवरणों के लिए कृपया पर्सनल बैंकर से बात करें.

ग्राहक कौन है?

केवाईसी निम्नलिखित के लिए संपन्न किया जाएगा लेकिन यहीं तक सीमित नहीं होगा:

- नया खाता खोलना (जमा/उधार)
- कोई क्रमिक खाता खोलना जहाँ पर आरंभिक खाता खोलते समय वर्तमान केवाईसी मानक जमा नहीं किए गए थे.
- लॉकर सुविधा खोलना जहाँ सभी लॉकर सुविधा धारकों के लिए ये दस्तावेज बैंक के पास उपलब्ध नहीं हैं.
- जब खाता संचालन के आधार पर बैंक को मौजूदा ग्राहकों से अतिरिक्त जानकारी लेना जरूरी हो जाता है.
- आवधिक अंतरालों के बाद आरबीआई से प्राप्त निर्देशों के आधार पर.
- जब हस्ताक्षरी, मै नडेट धारक, लाभार्थी स्वामी इत्यादि बदलता है.



एच डी एफ सी बैंक

हम समझें आपकी दुनिया